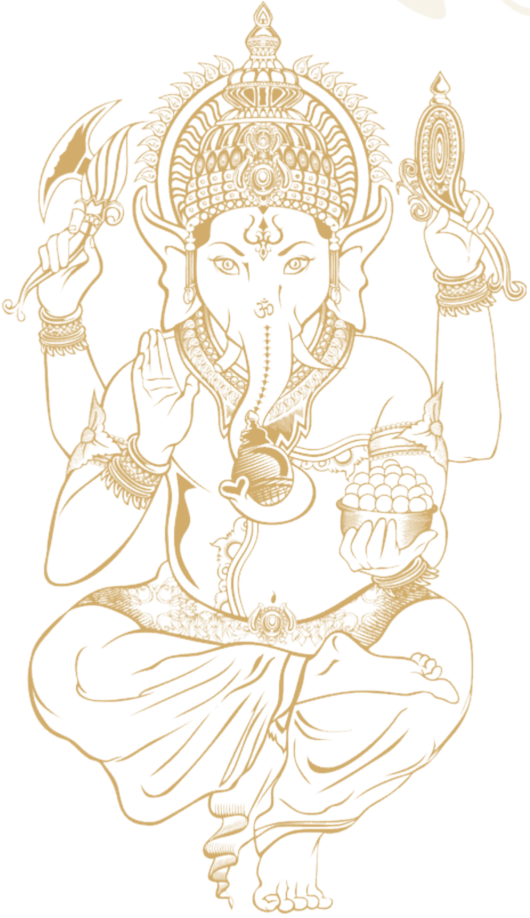

Mr.rishi kaushal

17 Jul 2002

05:20 PM

Dhuri

Model: web-freekundliweb

Order No: 120951715

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/07/2002**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**17:20:00 घंटे**
इष्ट	29:20:45 घटी
स्थान	**Dhuri**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	30:22:00 उत्तर
रेखांश	75:53:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:53:32 घंटे
वेलान्तर	-00:06:07 घंटे
साम्पातिक काल	12:34:04 घंटे
सूर्योदय	05:35:41 घंटे
सूर्यास्त	19:29:05 घंटे
दिनमान	13:53:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	00:50:48 कर्क
लग्न के अंश	00:29:48 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 4**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्ध
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	री-रीतेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	00:29:48	322:58:59	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
सूर्य			कर्क	00:50:48	00:57:15	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			तुला	04:42:55	14:06:06	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	08:35:10	00:38:31	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	नीच राशि
बुध		अ	मिथु	26:36:17	02:08:30	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शुक्र	स्वराशि
गुरु		अ	कर्क	02:43:08	00:13:24	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	राहु	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	13:31:34	01:06:48	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			वृष	29:21:05	00:07:03	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु			वृष	23:23:13	00:00:18	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु			वृश्चि	23:23:13	00:00:18	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	04:12:18	00:01:52	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	---
नेप	व		मक	16:06:41	00:01:33	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	21:24:52	00:01:08	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कन्या	15:22:49	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:17

लग्न-चलित

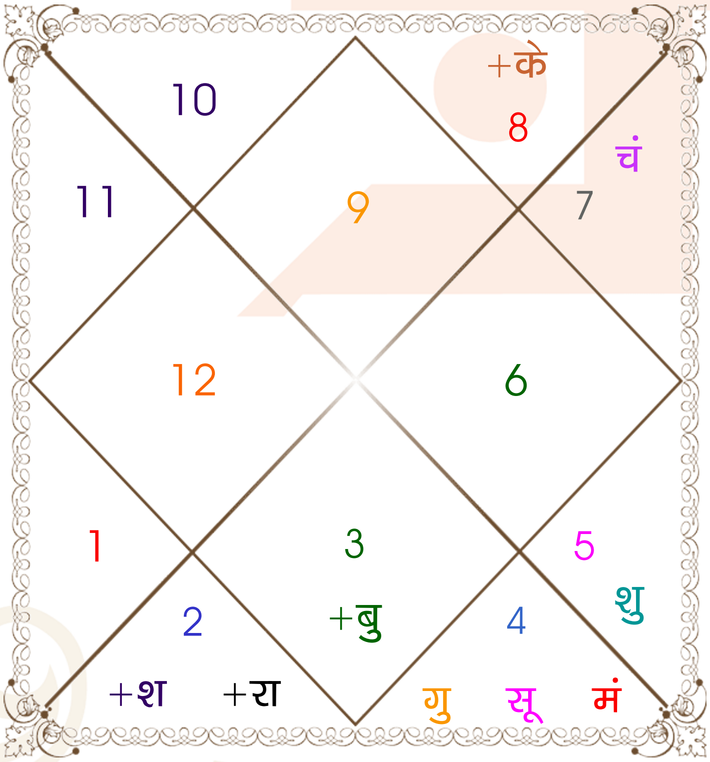

चन्द्र कुंडली

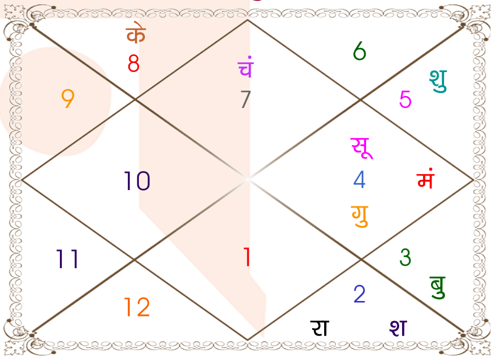

नवमांश कुंडली

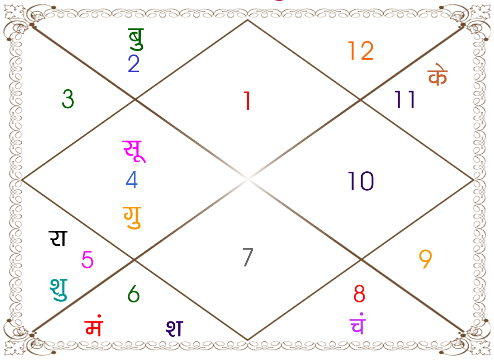

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 0 मास 8 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
17/07/2002		26/07/2003		26/07/2021		26/07/2037		26/07/2056	
26/07/2003		26/07/2021		26/07/2037		26/07/2056		26/07/2073	
	00/00/0000	राहु	08/04/2006	गुरु	13/09/2023	शनि	29/07/2040	बुध	22/12/2058
	00/00/0000	गुरु	31/08/2008	शनि	26/03/2026	बुध	08/04/2043	केतु	19/12/2059
	00/00/0000	शनि	08/07/2011	बुध	01/07/2028	केतु	17/05/2044	शुक्र	19/10/2062
	00/00/0000	बुध	25/01/2014	केतु	07/06/2029	शुक्र	17/07/2047	सूर्य	26/08/2063
	00/00/0000	केतु	12/02/2015	शुक्र	06/02/2032	सूर्य	28/06/2048	चंद्र	24/01/2065
	17/07/2002	शुक्र	12/02/2018	सूर्य	24/11/2032	चंद्र	28/01/2050	मंगल	21/01/2066
शुक्र	19/08/2002	सूर्य	07/01/2019	चंद्र	26/03/2034	मंगल	08/03/2051	राहु	10/08/2068
सूर्य	25/12/2002	चंद्र	07/07/2020	मंगल	02/03/2035	राहु	12/01/2054	गुरु	16/11/2070
चंद्र	26/07/2003	मंगल	26/07/2021	राहु	26/07/2037	गुरु	26/07/2056	शनि	26/07/2073

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
26/07/2073		26/07/2080		27/07/2100		27/07/2106		27/07/2116	
26/07/2080		27/07/2100		27/07/2106		27/07/2116		00/00/0000	
केतु	22/12/2073	शुक्र	25/11/2083	सूर्य	13/11/2100	चंद्र	28/05/2107	मंगल	23/12/2116
शुक्र	21/02/2075	सूर्य	24/11/2084	चंद्र	15/05/2101	मंगल	27/12/2107	राहु	10/01/2118
सूर्य	29/06/2075	चंद्र	26/07/2086	मंगल	20/09/2101	राहु	26/06/2109	गुरु	17/12/2118
चंद्र	28/01/2076	मंगल	25/09/2087	राहु	14/08/2102	गुरु	26/10/2110	शनि	26/01/2120
मंगल	25/06/2076	राहु	25/09/2090	गुरु	03/06/2103	शनि	27/05/2112	बुध	22/01/2121
राहु	14/07/2077	गुरु	26/05/2093	शनि	15/05/2104	बुध	26/10/2113	केतु	20/06/2121
गुरु	20/06/2078	शनि	26/07/2096	बुध	21/03/2105	केतु	27/05/2114	शुक्र	18/07/2122
शनि	29/07/2079	बुध	27/05/2099	केतु	27/07/2105	शुक्र	26/01/2116		00/00/0000
बुध	26/07/2080	केतु	27/07/2100	शुक्र	27/07/2106	सूर्य	27/07/2116		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 0 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।